अमीन (अमानत) पाठ्यक्रम
(प्रस्तावित)
बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना

बिहार सरकार के शिक्षा विभाग का एक स्वायत्त संस्थान)
चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय परिसर, न्याय नगर,
मीठापुर, पटना–800001

श्री विजय कुमार चौधरी
माननीय शिक्षा मंत्री
बिहार सरकार।

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड
मुक्ति शिक्षा
सर्वत्र शिक्षा
Bihar Board of Open Schooling & Examination (BBOSE)

श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री
बिहार सरकार

भूमिका

1

राज्य के आर्थिक विकास के लिए अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित कार्यबलों की आवश्यकता बढ़ती है जिसके बिना आर्थिक एवं सामाजिक विकास संभव नहीं है।

2

वर्तमान में अमानत/अमीन के सरकारी एवं निजी कार्य क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित कार्यबल की भारी कमी है—जो कि भविष्य में और अधिक बढ़ेगी।

3

बिहार सरकार द्वारा बिहार सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त अधिनियम, 2011 के अन्तर्गत विशेष सर्वे आरंभ कर दिया गया है, जिसके अन्तर्गत सरकारी क्षेत्रों में अमीनों की भारी आवश्यकता बढ़ेगी।

इसी प्रकार निजी क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित अमीनों की कमी बढ़ेगी।

बिहार राज्य में ऐसी कोई सरकारी/गैर सरकारी संस्था नहीं है जो अमीन/अमानत कार्यक्रम का प्रशिक्षण विशेष रूप से दे रही हो और उसके पश्चात प्रशिक्षणार्थियों की परीक्षा लेकर उन्हें एक सरकारी प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र निर्गत कर सके जो सर्वत्र मान्य हो।

रोजगार/स्वरोजगार उन्मुखी लोकप्रिय पाठ्यक्रम 'अमानत' पहली बार सरकारी संस्था बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (BBOSE), पटना द्वारा राज्य में संचालित।

उद्देश्य

1. राज्य के युवा कार्यबल को प्रशिक्षित कर अमानत के क्षेत्र में रोजगार/स्वरोजगार के अवसर प्रदान कराना।

2. प्रशिक्षित अमीनों की कमी के कारण भू–विवाद, उससे बिगड़ रही विधि–व्यवस्था में सुधार कराने में सकारात्मक योगदान ।

3. राज्य के आर्थिक विकास में योगदान।

4. गुणवत्तापूर्ण अमीन एवं सर्वेयरों का निर्माण करना।

5. न्यूनतम संभव शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।

6. प्रशिक्षणार्थियों की परीक्षा लेकर उन्हें एक सरकारी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र निर्गत करना जो मान्य हो।

अमानत पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक का निर्माण

1

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (BBOSE) के अकादमिक विभाग के पर्यवेक्षण में निर्माण।

2

राज्य के ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) के शिक्षाविद्ों तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पदाधिकारियों द्वारा विषयवस्तु/पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया ।

3

विशेषज्ञ समिति के ख्याति प्राप्त शिक्षाविदों द्वारा इसे परिमार्जित किया गया है तथा इसे राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है।

4

उच्च गुणवत्ता एवं मानक स्तर वाले इस पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीक एवं अन्य विधियों का समावेश है।

प्रशिक्षण की व्यवस्था

1. सैद्धांतिक विषयों के लिए पोलिटेकनिक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग, महाविद्यालयों के स्नातक के भूगोल विभाग, नालन्दा खुला विश्वविद्यालय (NOU) में अध्यापन करवाने वाले शिक्षकगण, स्नातकोत्तर एवं शोध शिक्षार्थियों के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था है।

2. प्रायोगिकी प्रशिक्षण तीन स्तरों पर आयोजित की जाएगी यथा–ख्याति प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थान, अंचल कार्यालय एवं बोर्ड के अध्ययन केन्द्रों पर।

3. राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के कुछ ख्याति प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों के भूगोल विभाग की प्रयोगशालाओं में आधुनिक तकनीक एवं उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों/प्राध्यापकों के द्वारा प्रायोगिकी प्रशिक्षण (100 घंटे) की व्यवस्था की गई है।

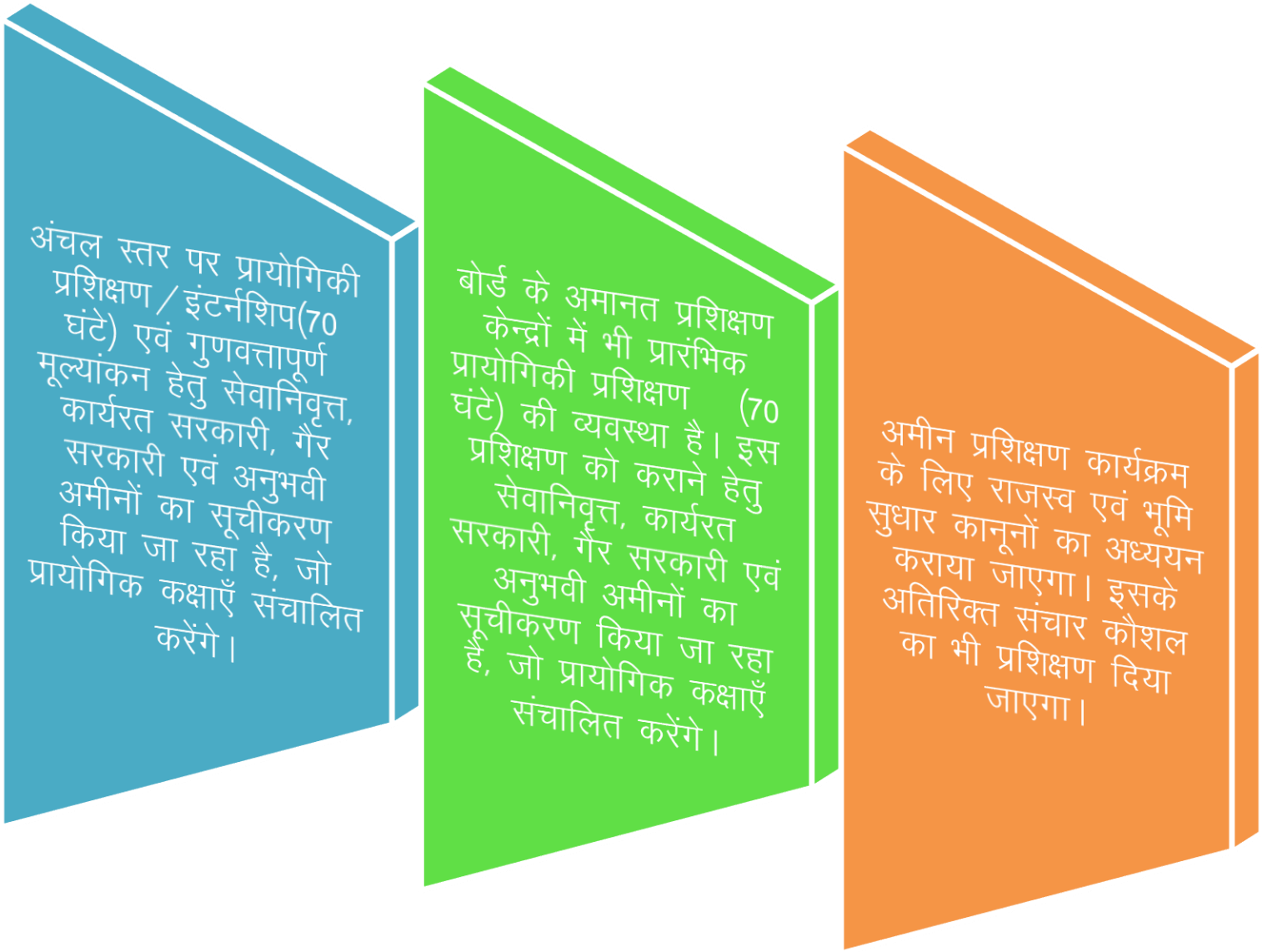
अंचल स्तर पर प्रायोगिकी प्रशिक्षण / इंटर्नशिप(70 घंटे) एवं गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन हेतु सेवानिवृत्त, कार्यरत सरकारी, गैर सरकारी एवं अनुभवी अमीनों का सूचीकरण किया जा रहा है, जो प्रायोगिक कक्षाएँ संचालित करेंगे।
बोर्ड के अमानत प्रशिक्षण केन्द्रों में भी प्रारंभिक प्रायोगिकी प्रशिक्षण (70 घंटे) की व्यवस्था है। इस प्रशिक्षण को कराने हेतु सेवानिवृत्त, कार्यरत सरकारी, गैर सरकारी एवं अनुभवी अमीनों का सूचीकरण किया जा रहा है, जो प्रायोगिक कक्षाएँ संचालित करेंगे।
अमीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार कानूनों का अध्ययन कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त संचार कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

इस पाठ्यक्रम में दो सैद्धांतिक विषय तथा तीन प्रायोगिक विषय होंगे।

यह पाठ्यक्रम कुल 400 घंटों का होगा, जिसमें 160 घंटे सैद्धांतिक एवं 240 घंटे प्रायोगिक कक्षाएँ संचालित होगी।

अमानत प्रशिक्षण/पाठ्यक्रम हेतु जो शिक्षार्थी गणित विषय में कमजोर हैं उनके लिए गणित विषय का बृज कोर्स एवं एडवांस बृज कोर्स बोर्ड में उपलब्ध है।

परीक्षा एवं प्रमाणीकरण

कुल 500 अंकों की परीक्षा बोर्ड द्वारा ली जाएगी।

छः माह का अमानत (अमीन) प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात् बोर्ड के द्वारा परीक्षा का आयोजन एवं प्रमाणीकरण की जाएगी।

प्रवेश पंजीयन की मान्यता पाँच वर्षों तक एवं अधिकतम नौ(09) सार्वजनिक परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर सभी प्रशिक्षणार्थियों को होगी।

प्रशिक्षण केन्द्र

- गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में उन्हीं संस्थाओं को मान्यता दी जाएगी जिसके पास भवन, उपस्कर एवं तकनीकी उपकरण, सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं के संचालन के लिए पर्याप्त होगी।
- प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण देने हेतु सेवानिवृत, कार्यरत, गैर सरकारी एवं अनुभवी अमीनों का सूचीकरण किया जा रहा है, जो सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाएँ संचालित करेंगे।
- मुद्रित अध्ययन सामग्री (पुस्तक) अध्ययन/प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से निःशुल्क प्रशिक्षणार्थियों को प्राप्त करायी जाएगी।
- संसाधन शुल्क के रूप में 25,000(पच्चीस हजार रूपये) को होगा, जो मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी, बिहार मुक्त विद्यालय शिक्षण एवं परीखा बोर्ड, पटना (CEO BBOSE) के पक्ष में देय है। यह गैर सरकारी योगदान जमा (NON-Refundable) होगा।

पात्रता / योग्यताः–

1.माध्यमिक उत्तीर्ण (10वीं पास) छात्र–छात्राएँ इस पाठ्यक्रम में नामांकन ले सकते हैं।

2.बिहार सरकार के अधीन अमीन के रूप में बहाली हेतु न्यूनतम योग्यता 12वीं कक्षा पास होना चाहिए।

3.निजी क्षेत्रों में अमीन के रूप में बहाली हेतु न्यूनतम 10वीं कक्षा पास होना चाहिए।

4.इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अधिकतम कोई उम्र सीमा निर्धारित नहीं है।

5.अपेक्षाकृत कम शुल्क मात्र 10,000/–(दस हजार रूपये) में प्रशिक्षण उपलब्ध।